प्री-बोर्ड परीक्षा : 2024

समय : 3.00 घण्टे | कक्षा - 12 | पूर्णांक : 100

सामान्य हिन्दी

नोट : इस प्रश्न पत्र में दो खण्ड 'क' और 'ख' है। दोनो खण्डों में पूछे गये सभी प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है। प्रश्नों के उत्तर यथासम्भव क्रमवार दीजिए–

खण्ड–'क'

1. (अ) निम्न में से नाटककार हैं– 1
(क) रामचन्द्र शुक्ल (ख) मोहन राकेश
(ग) डा० नगेन्द्र (घ) महादेवी वर्मा

(ब) 'रोबर्ट नर्सिंग होम में' की रचना विधा है। 1
(क) कहानी (ख) नाटक (ग) रेखाचित्र (घ) रिपोर्ताज

(स) परदा कहानी के रचनाकार हैं– 1
(क) शिवानी (ख) जयशंकरप्रसाद (ग) जैनेन्द्र (घ) यशपाल

(द) निम्न में से कोन प्रसिद्ध आलोचक है– 1
(क) आचार्य रामचन्द्र शुक्ल (ख) महादेवी वर्मा
(ग) मुंशी प्रेमचन्द (घ) जयशंकर प्रसाद

(य) त्रिवेणी किस विधा की रचना है– 1
(क) कहानी (ख) निबन्ध (ग) आत्मकथा (घ) संस्मरण

2. (अ) कविता में चार चाँद लगाने वाली शक्ति है– 1
(क) अभिधा (ख) लक्षणा (ग) व्यंदना (घ) तात्पर्या

(ब) बीसल देव रासो के रचयिता हैं– 1
(क) देवसेन (ख) नरपति नाल्ह
(ग) विजयसेन सूरि (घ) जिनदत्त सूरि

(स) कबीर के दोहों को नाम से जाना जाता है। 1
(क) दूहा (ख) सबद (ग) साखी (घ) पद

(द) सहित्यलहरी रचना है– 1
(क) कबीर (ख) तुलसीदास (ग) सूरदास (घ) हरीशचन्द्र

(य) छायवाद युग का समय कब से कब तक का माना जाता है– 1
(क) 1938–1943 (ख) 1868–1900
(ग) 1918–1938 (घ) 1900–1922

3. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए– 10

पूर्वजों ने चरित्र और धर्म–विज्ञान, साहित्य, कला और संस्कृति के क्षेत्र में जो कुछ भी पराक्रम किया है, उस सारे विस्तार को हम गौरव के साथ धारण करते हैं और उसके तेज को अपने भावी जीवन में साक्षात देखना चाहते हैं। यही राष्ट्र–संवर्धन का स्वाभाविक प्रकार है। जहाँ अतीत वर्तमान के लिए भार रूप नहीं है, जहाँ भूत वर्तमान को जकड़ नहीं रखना चाहता, वरन् अपने वरदान से पुष्ट करके आगे बढाना चाहता है, उस राष्ट्र का हम स्वागत करते हैं।

प्र० (क) उपर्युक्त गद्यांश के पाठ का शीर्षक और लेखक का नाम लिखिए।
(ख) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए।
(ग) 'राष्ट्र–संवर्धन' का प्रकार स्पष्ट कीजिए।
(घ) 'अतीत वर्तमान के लिए भार रूप नहीं है' का आशय स्पष्ट कीजिए।
(ङ) लेखक किस राष्ट्र का स्वागत करना चाहता है?

modelpaper.info

अथवा

जन का प्रवाह अनन्त होता है। सहस्त्रों वर्षों से भूमि के साथ राष्ट्रीय जन ने तादात्म्य प्राप्त किया है। जब तक सूर्य की रश्मियाँ नित्य प्रातः काल भुवन को अमृत से भर देती है, तब तक राष्ट्रीय जन का जीवन भी अमर है। इतिहास के अनेक उतार–चढ़ाव पार करने के बाद भी राष्ट्र–निवासी जन नई उठती लहरों से आगे बढ़ने के लिए अजर–अमर है। जन का संततवाही जीवन नदी के प्रवाह की तरह है, जिसमें कर्म और श्रम के द्वारा उत्थान के अनेक घाटों का निर्माण करना होता है।

प्र० (क) उपर्युक्त गद्यांश के पाठ और लेखक का नाम लिखिए।
(ख) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए।
(ग) राष्ट्र निवासी जन किसके समान आगे बढ़ने के लिए अजर–अमर है?
(घ) राष्ट्रीय जन ने किसके साथ तादात्म्य प्राप्त किया है?
(ङ) राष्ट्रीय जन का जीवन भी कब तक अमर है?

4. निम्नलिखित पद्यांश को पढ़कर नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए– 10

नील परिधान बीच सुकुमार, खुल रहा मृदुल अधखुला अंग,
खिला हो ज्यों बिजली का फूल, मेघ बन बीच गुलाबी रंग।

प्र० (क) उपर्युक्त पद्यांश का शीर्षक और कवि का नाम लिखिए।
(ख) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए।
(ग) 'बिजली के फूल' से क्या तात्पर्य है?
(घ) उपर्युक्त पंक्तियों में कौन–सा अलंकार है?
(ङ) उपर्युक्त पंक्तियों में किसके रूप का वर्णन है?

अथवा

कहते आते थे यही अभी नरदेही, माता न कुमाता, पुत्र कपुत्र भले ही।
अब कहें सभी यह हाय! विरुद्ध विधाता, – है पुत्र पुत्र ही, रहे कुमाता माता।।

प्र० (क) पद्यांश के शीर्षक और कवि का नाम लिखिए।
(ख) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए।
(ग) कैकयी के अनुसार उनसे हुआ पाप किसने कराया?
(घ) नरदेही शब्द का अर्थ स्पष्ट कीजिए।
(ङ) नरदेही अभी तक क्या कहते आ रहे थे?

5. (क) किसी एक लेखक का साहित्य परिचय और उनकी रचनाओं का उल्लेख कीजिए। 5
(अ) आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी (ब) डा० वासुदेव शरण अग्रवाल
(स) डा० ए.पी.जे. अब्दुल कलाम

(ख) किसी एक कवि का साहित्य परिचय और उनकी कृतियों पर प्रकाश डालिए। 5
(अ) सुमित्रानन्दन पंत (ब) महादेवी वर्मा
(स) जयशंकर प्रसाद

6. 'धुवयात्रा' अथवा 'बहादुर' मे से किसी एक का सारांश लिखिए। 5

अथवा पंचलाइट कहानी की तात्विक समीक्षा कीजिए।

7. स्वपठित खण्डकाव्य के आधार पर निम्नलिखित प्रश्नो मे से किसी एक का उत्तर दीजिए। 5

(क) 'श्रवणकुमार' खण्डकाव्य में निहित सन्देश को स्पष्ट कीजिए।
अथवा 'श्रवणकुमार' खण्डकाव्य के नायक चरित्र चित्रण दीजिए।

(ख) 'सत्य की जीत' खण्डकाव्य का कथावस्तु की लिखिए।
अथवा 'सत्य की जीत' खण्डकाव्य में दुःशासन का चरित्र–चित्रण कीजिए।

(ग) 'रश्मिरथी' खण्डकाव्य के कथानक की विशेषताओं का उल्लेख कीजिए।
अथवा 'रश्मिरथी' खण्डकाव्य के आधार पर श्रीकृष्ण का चरित्र–चित्रण कीजिए।

modelpaper.info

(घ) 'आलोकवृत्त' खण्डकाव्य के वतुर्थ सर्ग का सारांश लिखिए।

अथवा 'आलोकवृत्त' खण्डकाव्य के प्रमुख पुरुष-पात्र का चरित्र-चित्रण कीजिए।

(ङ) 'त्यागपथी' खण्डकाव्य की घटनाओं पर संक्षिप्त प्रकाश डालिए।

अथवा 'त्यागपथी' खण्डकाव्य के नायक का चरित्र-वित्रण कीजिए।

(च) 'मुक्तियज्ञ' खण्डकाव्य के कथानक का संक्षिप्त सारांश लिखिए।

अथवा 'मुक्तियज्ञ' खण्डकाव्य के नायक की विशेषताओं पर संक्षिप्त प्रकाश डालिए।

8. (क) निम्नलिखित संस्कृत गद्यांश का ससन्दर्भ हिन्दी मे अनुवाद कीजिए। 7

(1) याज्ञवल्क्यो मैत्रेयीमुवाच -मैत्रेयि! उद्यास्यन अहम् अस्मात् स्थानादस्मि। ततस्ते अनया कात्यायन्या विच्छेदं करवाणि इति। मैत्रेयी उवाच-यदि इदं सर्वां पृथ्वी वित्तेन पूर्णा स्यात् तत् किं तेनाहममृतास्यामिति। याज्ञवल्क्य उवाच-नेति।

अथवा (2) महामना विद्वान् वक्ता, धार्मिको नेता, पटुः पत्रकारश्चासीत्। परमस्य सर्वोच्चगुणः जनसेवैव आसीत्, यत्र कुत्रापि अयं जनान् दुःखितान् पीड्यमानांश्वापश्यत् तत्रैव सः शीघ्रमेव उपस्थितः, सर्वविधं साहाय्यञ्च अकरोत्। प्राणिसेवा अस्य स्वभाव एवासीत्।

(ख) निम्नलिखित संस्कृत पद्यांश का ससन्दर्भ हिन्दी मे अनुवाद कीजिए। 7

(1) वज्रादपि कठोराणि मृदूनि कुसुमादपि।
लोकोत्तराणां चेतांसि को नु विज्ञातुमर्हति।।

अथवा (2) जल-बिन्दु-निपातेन क्रमशः पूर्यते घटः।
स हेतुः सर्वविद्याना धर्मस्य च धनस्य च।।

खण्ड-'ख'

9. निम्न मुहावरे एवं लोकोक्तियो मे से किसी एक का अर्थ लिखकर वाक्य बनाइए। 2

(क) आँख दिखाना (ख) आस्तीन का साँप

(ग) ऊँट के मुँह में जीरा (घ) आखों में धूल झोंकना

10. निम्न पद्य अथवा गद्य पर में से किसी एक के पूछे गए प्रश्नो में से सही विकल्प का चयन कीजिए। 5

मैं जब लौटा तो देखा पोटली में बंधे हुए बूटों ने फेंकें हैं अंकुर। दो दिन बाद आज लौटा हूँ वापस, अजीब गंध है घर में, किताबों कपड़ों और निर्जन हवा की फेंटी हुई, पड़ी है चारो ओर धूल की एक परत और जकड़ा है जग में बासी जल, जीवन की कितनी यात्राएं करता रहा यह निर्जन मकान मेरे साथ तट की तरह स्थिर, पर गतियों से भरा सहता जल का समस्त कोलाहल- सूख गए हैं नीम के दातौन और पोटली में बंधे हुए बूँटों फेंकें हैं अंकुर।

प्र० **(क) पोटली में बंधे चनों के अंकुरित होने का क्या अर्थ है-**

(अ) जीवन के बच जाने का (ब) जीवन के खत्म हो जाने का

(स) नव-जीवन का (द) इनमे से कोई नही

(ख) कवि कितने बाद घर लौटा है-

(अ) तीन (ब) चार (स) दो (द) दस

(ग) किस प्रकार की गंध फैली हुई है-

(अ) फूलों की (ब) धूल की (स) गैस की (द) निर्जनता की

(घ) काव्यांश की शैली किस प्रकार की है-

(अ) चित्रात्मक (ब) विवरणात्मक (स) कथात्मक (द) वर्णनात्मक

(ङ) 'पड़ी है चारों ओर धूल' से क्या तात्पर्य है-

(अ) घर में सफाई नही होती (ब) घर की देख रेख करने वाला कोई नही

(स) कवि को धूल पसंद है (द) इनमें से कोई नही

modelpaper.info

अथवा

इस संसार में प्राणी को हर समय चलते रहना है। गति ही जीवन का सुलक्षण है। सार्थक जीवन वही है, जो कर्मठता व निरन्तर अपने पथ में अग्रसर रहने का पाठ पढ़ाता है। इसी परिप्रेक्ष्य में चरैवेति–चरैवेति का सिद्धान्त सूत्र बना है। वही मानव विकास की किरणों को देख सकता है जो आलस्य और उन्माद से बचकर सरल मन के साथ अपने कर्त्तव्य – पथ पर सतत चलता रहे। इस हेतु जीवन को अधोमुख करने वाली सभी कुप्रवृत्तियों से परहेज कर हमें अपने भीतर उदान्त प्रवृत्तियों का संचय करना होगा। तभी देश व दुनिया से, सही अर्थो मे हमारा नाता भी जुड़ सकेगा। गीता दर्शन हमें निरन्तर कर्मपथ पर अग्रसर होने की प्रेरणा देता है। कर्म, विकास के पथ को प्रशस्त करता है। सत्कर्म मानव मन में जन्म लेने वाली कुप्रवृत्तियों के दमन का सशक्त साधन है। भगवान श्रीकृष्ण का यह प्रेरणास्पद वचन कि मेरे लिए सब कुछ सुलभ होते हुए भी मैं जनकल्याण के लिए निरन्तर कर्म में लीन रहता हूँ, विशेष अनुकरणीय है। कर्म रहित जीवन युंग है।

प्र० (क) प्राणी को हमेश क्या करते रहना चहिए–

(अ) चलते रहना चाहिए (ब) सोते रहना चाहिए

(स) रुके रहना चाहिए (द) खाते रहना चाहिए

(ख) मानव विकास की किरणों को वही देख सकता है जो–

(अ) भागता रहता है (ब) आलस्य से बचता है

(स) सोता रहता है (द) कर्तव्यों को पूरा नही करता है

(ग) देश और दुनिया से हमे नाता–

(अ) तोड़ना है (ब) जोड़ना है (स) दोनो (द) इनमें से कोई नही

(घ) कर्म रहित जीवन–

(अ) खुशहाल है (ब) बेकार है (स) युंग है (द) ये सभी

11. (क) निम्नलिखित शब्द–युग्मो का सही अर्थ चुनकर लिखिए। 2

(अ) अंबुज–अंबुद

(क) कमल और बादल (ख) जल ओर कमल

(ग) बादल और समुद्र (घ) समुद्र और कमल

(ब) वर्ण शब्द का उचित अर्थ है–

(क) शब्द (ख) समूह (ग) रंग (घ) वर्ग

(ख) निम्नलिखित शब्दो मे से किसी एक शब्द के दो अर्थ लिखिए। 2

(अ) कनक (ब) पतंग (स) पद

(ग) निम्नलिखित वाक्यांशो के लिए किसी एक शब्द का चयन करके लिखिए। 2

(अ) वन में रहने वाला (ब) जिन्हे जाना न जा सके

(घ) निम्नलिखित वाक्यो को शुद्ध करके लिखिए। 2

(अ) गुलाब का फूल लाल रंग का होता है। (ब) क्या तू खाना खाओगी।

12. (क) करूण अथवा श्रृंगार रस की परिभाषा उदाहरण सहित लिखिए। 2

(ख) श्लेष अथवा उत्प्रेक्षा अंलकार का लक्षण उदाहरण सहित लिखिए। 2

(ग) कुण्डालिया अथवा सोरठा छन्द का लक्षण उदाहरण सहित लिखिए। 2

13. गन्दगी और सड़कों की समस्या के संबंध में नगरपालिका को पत्र लिखिए। 6

अथवा

मुहल्ले की साफ सफाई के लिए अपने नगर पंचायत अध्यक्ष को पत्र लिखिए।

14. निम्नलिखित मे से किसी एक विषय पर निबन्ध लिखिए। 9

(क) विज्ञान के चमत्कार (ख) मोबाइल फोन

(ग) आज का भारत (घ) वन संरक्षण

modelpaper.info